Shreenathji-Nathdwara

।। श्रीहरिः ।।

जगद्गुरु श्रीमद्वल्लभाचार्य के सम्प्रदाय प्रमाण

उत्सव तथा व्रतन की टीप

विक्रम संवत् २०७४ साधारण नाम संवत्सरे ईस्वी सन् २०१७-१८

श्री वल्लभाब्द ५३९ - ५४० शालिवाहन शके १९३९ हेमलम्बी नाम संवत्सरे

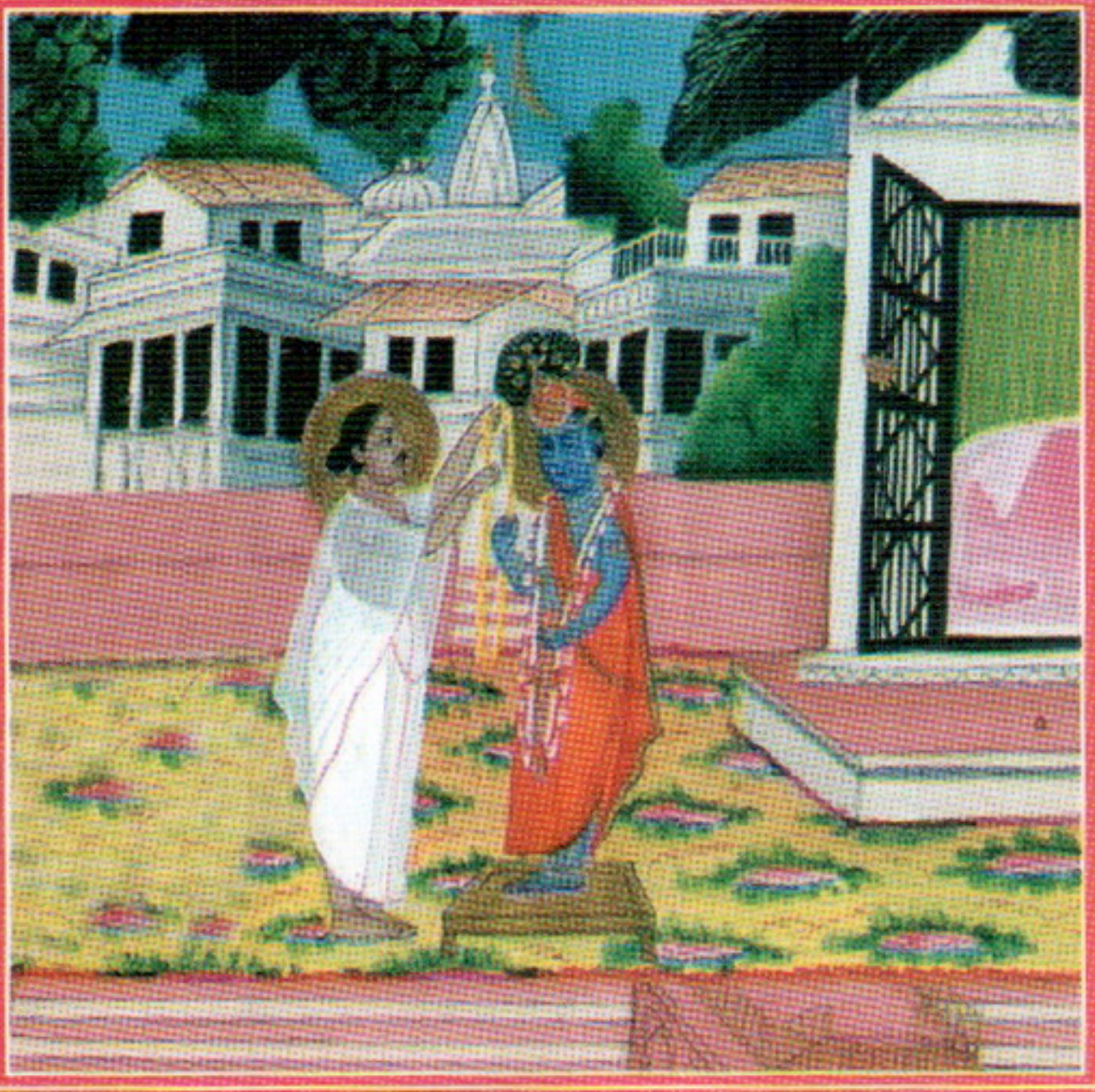

जगद्गुरु श्रीमद्वल्लभाचार्य प्रधानपीठस्थित

आचार्यवर्य्य गोस्वामि तिलकायित

श्री १०८ श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज की आज्ञासूं प्रकाशित

प्रकाशक : विद्याविभागाध्यक्ष, मन्दिर मण्डल, श्री नाथद्वारा

Shreenathji-Nathdwara

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५३९			चैत्र शुक्लपक्षः विक्रमाब्द २०७४
तिथि	वार	दि.	उत्सव
३०/१	मंगल	28	मार्च, सन् २०१७ संवत्सरोत्सवः। इष्टिः।
२	बुध	29	
३	गुरु	30	गणगौरी। (चूंदड़ी गणगौर)
४	शुक्र	31	पंचरंगी लेहरियाँ (हरि गणगौर)
५	शनि	1	अप्रेल, गुलाबी गणगौर
६	रवि	2	श्री गुसांईजी के छट्ठेलालजी श्री यदुनाथजी को उत्सव। (१६१५) केसरी गणगौर एवं यमुना छट्ठ।
७	सोम	3	
८	मंगल	4	
९	बुध	5	रामनवमी व्रतम्।
१०	गुरु	6	रामनवमी व्रत की पारणा। प्रातः ९ बजके १८ मिनिट पूर्व।
११	शुक्र	7	कामदा एकादशी व्रतम्। श्री वल्लभाचार्य चरण के उत्सव की बधाई।
१२	शनि	8	
१३	रवि	9	
१४	सोम	10	
१५	मंगल	11	इष्टिः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५३९	वैशाख (गु.चैत्र) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	बुध	12	
२	गुरु	13	
३	शुक्र	14	मेष संक्रान्तिः। सतुआ गोपीवल्लभ या राजभोग में पुण्यकाल आज सूर्योदय से लेके मध्याह्न पर्यन्त है। तामे भी सूर्योदय के पास के २ घण्टा अति मुख्य पुण्यकाल है। अब के यह संक्रान्ति २ गुरु की रात्रि के २ बजके ०५ मिनिट पर बैठी है ता सूं पुण्यकाल आज मान्यो जायगो। श्री कूं भोग धरे पीछे दान श्राद्धादि करने।
४	शनि	15	
५	रवि	16	
६	सोम	17	
७	मंगल	18	श्री विट्ठलनाथ जी को पाटोत्सवः
८	बुध	19	
९	गुरु	20	
१०	शुक्र	21	पांच स्वरूप को उत्सव नित्य लीलास्थ गोस्वामि तिलकायित श्री १०८ श्री गोवर्द्धनलालजी महाराज कृत।
११	शनि	22	श्री वल्लभाचार्यजी (श्री महाप्रभुजी) को उत्सव। (१५३५) श्री वल्लभाब्द ५४० को प्रारम्भ।
१२	रवि	23	वरूथिनी एकादशी व्रतम्।
१३	सोम	24	
१४	मंगल	25	
३०	बुध	26	

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	वैशाख शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	27	इष्टिः।
२	शुक्र	28	
३	शनि	29	अक्षय तृतीया चन्दनयात्रा त्रेतायुगादि जलकुम्भदानम्।
५	रवि	30	
६	सोम	1	मई
७	मंगल	2	तिलकायित श्री लालगिरधारीजी महाराज को उत्सव (१६६०)
८	बुध	3	
९	गुरु	4	
१०	शुक्र	5	
११	शनि	6	मोहिनी एकादशी व्रतम् ।
१२	रवि	7	
१३	सोम	8	
१४	मंगल	9	श्री नृसिंह जयन्ती व्रतम्।
१५	बुध	10	

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	ज्येष्ठ (गु. वैशाख) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	11	इष्टिः।
२	शुक्र	12	चार स्वरूप को उत्सव ति. श्री दाऊजी महाराज कृत।
२	शनि	13	
३	रवि	14	कली के शृंगार को आरम्भ।
४	सोम	15	
५	मंगल	16	
६	बुध	17	
७	गुरु	18	
८	शुक्र	19	
९	शनि	20	
१०	रवि	21	
११	सोम	22	अपरा एकादशी व्रतम्।
१२	मंगल	23	
१३	बुध	24	
३०	गुरु	25	आज सूं लेके ज्येष्ठ शुक्ल १३ बुध तक पर्यन्त सूर्य कूं रोहिणी नक्षत्र है, ता सूं इन दिनन में श्री के अंग मे चन्दन धरावनो प्रशस्त है।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	26	इष्टिः।
२	शनि	27	
३	रवि	28	
४	सोम	29	
५	मंगल	30	श्री के नाव को मनोरथ।
६	बुध	31	
७	गुरु	1	जून
८	शुक्र	2	
९	शनि	3	
१०	रवि	4	श्री गंगादशमी दशहरा श्री यमुनाजी को उत्सव माने हे।
११	सोम	5	निर्जला एकादशी व्रतम्।
१२	मंगल	6	
१३	बुध	7	तिलकायित श्री गिरधारीजी महाराज को उत्सव। (१९००)
१४	गुरु	8	स्नान को जल भरनो सांझ कूं जल को अधिवासन करनो।
१५	शुक्र	9	ज्येष्ठाभिषेक (स्नान यात्रा)।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	आषाढ़ (गु. ज्येष्ठ) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शनि	10	इष्टिः।
२	रवि	11	
३	सोम	12	
४	मंगल	13	
५	बुध	14	
६	गुरु	15	
७	शुक्र	16	
८	शनि	17	
९	रवि	18	
१०	सोम	19	
११	मंगल	20	योगिनी एकादशी व्रतम्।
१२	बुध	21	
१३	गुरू	22	
१४	शुक्र	23	
३०	शनि	24	तिलकायित बड़े श्री गिरिधारीजी महाराज को उत्सव (१८२५)। इष्टिः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	आषाढ़ शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
२	रवि	25	
३	सोम	26	रथयात्रा।
४	मंगल	27	
५	बुध	28	श्री द्वारकाधीश जी को पाटोत्सवः।
६	गुरु	29	कसूंभा छट्ठ। षष्ठी पण्डगू। तिलकायित श्री गोविन्दजी महाराज गादी बिराजे सो उत्सव तथा तिलकायित श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी) महाराज गादी बिराजे (२०५७)
७	शुक्र	30	
८	शनि	1	जुलाई
९	रवि	2	
१०	सोम	3	बैंगन दशमी।
११	मंगल	4	देवशयनी एकादशी व्रतम्। चातुर्मास्य नियमारम्भः। कली के शृगार पूर्ण।
१२	बुध	5	
१३	गुरु	6	
१४	शुक्र	7	
१४	शनि	8	
१५	रवि	9	पर्वात्मक उत्सव चातुर्मास्य नियमारम्भः। एकादशी कूं न भयो होय तो द्वादशी अथवा पूर्णिमा के दिन करनो तामे पूर्णिमा मुख्य। इष्टिः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	श्रावण/(गु. आषाढ़) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	10	
२	मंगल	11	हिन्दोलारम्भः।
३	बुध	12	
४	गुरु	13	श्री चन्द्रमा जी को पाटोत्सवः।
५	शुक्र	14	
६	शनि	15	
७	रवि	16	
८	सोम	17	जन्माष्टमी की बधाई।
९	मंगल	18	
१०	बुध	19	तिलकायित श्री गोवर्द्धनेश जी महाराज को उत्सव। हाण्डी उत्सव (१७६३)।
१२	गुरु	20	कामिका एकादशी व्रतंम्।
१३	शुक्र	21	
१४	शनि	22	
३०	रवि	23	हरियाली अमावस।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०			श्रावण शुक्लपक्षः विक्रमाब्द २०७४
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	24	इष्टिः।
२	मंगल	25	
३	बुध	26	ठकुरानी तीज मधुस्रवा।
४	गुरु	27	
५	शुक्र	28	नाग पंचमी, आपस्तम्ब हिरण्यकेशीय बौधायन काण्व माध्यन्दिन प्रभृति सर्वयजुर्वेदीन की अथर्ववेदीन की तथा ऋग्वेदीन की श्रावणी।
६	शनि	29	
७	रवि	30	
८	सोम	31	
९	मंगल	1	अगस्त, सात स्वरूप को उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री गोविन्दलालजी महाराज कृत।
१०	बुध	2	
११	गुरु	3	पुत्रदा एकादशी व्रतम्। पवित्रारोपणं उत्थापन में सायं ४ बजके ३८ मिनिट पश्चात् याही दिन सात स्वरूप कूं पवित्रा धरायवे को विशेष उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री गोविन्दलाल जी महाराज कृत।
१२	शुक्र	4	गुरुन कूं पवित्रा धरावने।
१३	शनि	5	
१४	रवि	6	श्री विट्ठलेशराय जी महाराज को उत्सव (१६५७)।
१५	सोम	7	रक्षाबन्धनं उत्थापन में गुसांई जी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गिरधर जी के लालजी श्री दामोदरजी महाराज को उत्सव (१६३२) खण्डग्रास चन्द्रग्रहण। ताके निर्णय पृ. २६-२७ पर अंकित हैं।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	भाद्रपद (गु. श्रावण) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	मंगल	8	इष्टिः। गोस्वामि तिलकायित श्री १०८ श्री गोवर्द्धनलाल जी महाराज को उत्सव (१९१७) हेम हिन्दोला।
२	बुध	9	
३	गुरु	10	हिन्दोला विजय शृंगार में, कज्जली तीज।
४	शुक्र	11	
५	शनि	12	
६	रवि	13	
७	सोम	14	शयन में षष्ठी को उत्सव। विष्णु स्वामी प्राकट्योत्सव।
८	मंगल	15	जन्माष्टमी व्रतम्।
९	बुध	16	नन्द महोत्सव।
१०	गुरु	17	
११	शुक्र	18	अजा एकादशी व्रतम्।
१२	शनि	19	
१४	रवि	20	काका वल्लभ जी को उत्सव (१७०३)।
३०	सोम	21	सोमवती अमावस्या, कुशग्रहणी अमावस।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०		भाद्रपद शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७४
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	मंगल	22	इष्टिः। राधाष्टमी की बधाई।
२	बुध	23	
३	गुरु	24	
४	शुक्र	25	गणेश चतुर्थी, सामवेदीन की श्रावणी।
५	शनि	26	ऋषि पंचमी। द्वितीय स्वरूपोत्सवः।
६	रवि	27	तिलकायित श्री विट्ठलेश जी महाराज को उत्सव (१७४४)।
७	सोम	28	
८	मंगल	29	राधाष्टमी।
९	बुध	30	
१०	गुरु	31	
१०	शुक्र	1	सितम्बर
११	शनि	2	परिवर्तिनी एकादशी व्रतम् (दान एकादशी)। वामन द्वादशी। नवलक्ष ग्रंथकर्त्ता श्री पुरुषोत्तमजी महाराज को उत्सव (१७१४)।
१२	रवि	3	
१३	सोम	4	
१४	मंगल	5	
१५	बुध	6	सांझी को आरम्भः। इष्टिः। श्राद्ध पक्ष को आरम्भ। ताको निर्णय पृ.२८ एवं श्राद्धपक्ष को संकल्प पृ.२९ पर लिख्यो है।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	आश्विन (गु. भाद्रपद) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	7	
२	शुक्र	8	
३	शनि	9	
४	रवि	10	श्री हरिराय को उत्सव (१६४७), पंचमी को क्षय होयवे सूं आज।
६	सोम	11	
७	मंगल	12	
८	बुध	13	श्री महाप्रभु जी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथ जी के पुत्र श्री पुरुषोत्तम जी को उत्सव (१५८७)।
९	गुरु	14	
१०	शुक्र	15	
११	शनि	16	इन्दिरा एकादशी व्रतम् (महादान)।
१२	रवि	17	श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी को उत्सव (१५६७)।
१३	सोम	18	श्री गुसांई जी के तीसरे लालजी श्री बालकृष्णजी को उत्सव (१६०६)।
१४	मंगल	19	सर्वपितृ अमावस। कोट की आरती और सांझी की समाप्ति।
३०	बुध	20	मातामह श्राद्ध। इष्टिः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	आश्विन शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरू	21	नवरात्रारम्भः।
२	शुक्र	22	
३	शनि	23	
४	रवि	24	श्री दामोदरजी (श्री दाऊजी) महाराज को उत्सव (दुहेरा-मनोरथ) १८५४
५	सोम	25	
६	मंगल	26	
७	बुध	27	
८	गुरू	28	सरस्वती पूजनारम्भः।
९	शुक्र	29	
१०	शनि	30	दशहरा (विजयादशमी) सरस्वती विसर्जनम्। श्री गिरधरजी के प्रथम लालजी श्री मुरलीधर जी को उत्सव।
११	रवि	1	अक्टूबर, पाशांकुशा एकादशी व्रतम्। सरस्वती विसर्जनम्।
१२	सोम	2	
१३	मंगल	3	श्री बालकृष्ण जी को पाटोत्सवः।
१४	बुध	4	
१५	गुरू	5	शरद पूर्णिमा (रासोत्सव)। कार्त्तिक स्नानारम्भः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	कार्त्तिक (गु. आश्विन) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७४
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	6	इष्टिः।
२	शनि	7	
३	रवि	8	
४	सोम	9	
५	मंगल	10	
६	बुध	11	
७	गुरू	12	
९	शुक्र	13	
१०	शनि	14	
११	रवि	15	रमा एकादशी व्रतम्।
१२	सोम	16	
१३	मंगल	17	धनतेरस।
१४	बुध	18	रूप चतुर्दशी (अभ्यंग)।
३०	गुरू	19	दीपोत्सव (दीपावली) हटड़ी (गोकर्ण जागरणम्) कान जगाई।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	कार्त्तिक शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	20	इष्टिः। अन्नकूटोत्सवः। गोवर्द्धन पूजा। गुर्जराणां २०७४ वर्षारम्भः।
२	शनि	21	यम द्वितीया (भाईदूज)।
३	रवि	22	
४	सोम	23	
४	मंगल	24	
५	बुध	25	
६	गुरु	26	
७	शुक्र	27	श्री नवनीत प्रभु को व्रज में पधरायवे को विशेष उत्सव। गो.ति. १०८ श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी) महाराज कृत (२०६३)।
८	शनि	28	गोपाष्टमी।
९	रवि	29	अक्षय नवमी। कृत युगादि कूष्माण्ड दानम्।
१०	सोम	30	
११	मंगल	31	प्रबोधिनी एकादशी व्रतम् देवोत्थापनं प्रातः ७ बजके ३८ मिनिट पूर्व।
१२	बुध	1	नवम्बर, श्री गुसांई जी के प्रथम लालजी श्री गिरधरजी को उत्सव (१५९७) तथा पंचमलाल जी श्री रघुनाथजी को उत्सव (१६११)।
१३	गुरु	2	
१४	शुक्र	3	ति. श्री गोविन्दजी महाराज को उत्सव (१८७६)।
१५	शनि	4	चार स्वरूप को उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित श्री १०८ श्री गोविन्दलाल जी महाराज कृत चातुर्मास्य तथा कार्त्तिक के नियम की समाप्ति। गोपमासारम्भः। इष्टिः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	मार्गशीर्ष (गु. कार्त्तिक) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७४
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	5	व्रतचर्या अथवा गोपमासारम्भः।
३	सोम	6	
४	मंगल	7	छः स्वरूप को उत्सव। तिलकायित श्री दाऊजी महाराज कृत।
५	बुध	8	
६	गुरु	9	
७	शुक्र	10	गो.ति. १०८ श्री गोविन्दलाल जी महाराज को उत्सव (१६८४)
८	शनि	11	श्री गुसांई जी के दूसरे लालजी श्री गोविन्दराय जी को उत्सव (१५६६)।
९	रवि	12	
१०	सोम	13	घटा को आरम्भ (हरि घटा)।
११	मंगल	14	उत्पत्ति एकादशी व्रतम्।
१२	बुध	15	श्री नवनीत प्रभु कूं व्रज सूं नाथद्वारा निज मंदिर में पधरायवे को उत्सव। गो.ति. १०८ श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी) महाराज कृत (२०६३)
१३	गुरु	16	श्री गुसांई जी के सातवे लालजी श्री घनश्याम जी को उत्सव (१६२८)।
१४	शुक्र	17	
३०	शनि	18	श्याम घटा।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	19	इष्टिः।
२	सोम	20	दूज को चन्दा।
३	मंगल	21	
४	बुध	22	
५	गुरु	23	श्री मदनमोहन जी को पाटोत्सवः।
६	शुक्र	24	
६	शनि	25	
७	रवि	26	श्री गुसांई जी के चतुर्थ लालजी श्री गोकुलनाथजी को उत्सव (१६०८)।
८	सोम	27	सात स्वरूप को उत्सव। श्री गोवर्द्धनेश जी महाराज कृत।
९	मंगल	28	श्री गुसांई जी के उत्सव की बधाई। (लाल घटा)
१०	बुध	29	
११	गुरु	30	मोक्षदा एकादशी व्रतम्।
१२	शुक्र	1	दिसम्बर।
१४	शनि	2	
१५	रवि	3	छप्पन भोग बलदेवजी को उत्सव कितनेक माने है। गोपमास की समाप्ति।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	पौष (गु. मार्गशीर्ष) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	4	इंष्टिः। नित्य लीलास्थ गोस्वामि तिलक श्री १०८ श्री दाऊजी (श्री राजीवजी) महाराज को उत्सव (२००५)।
२	मंगल	5	
३	बुध	6	
४	गुरु	7	
६	शुक्र	8	
७	शनि	9	श्री गुसांईजी के ज्येष्ठ पौत्र श्री गोविन्दजी के पुत्र श्री कल्याणरायजी को उत्सव। (१६२५)
८	रवि	10	
९	सोम	11	श्री मत्प्रभुचरण श्री विट्ठलनाथ जी को उत्सव (१५७२)।
१०	मंगल	12	
११	बुध	13	सफला एकादशी व्रतम्। फल अवश्य भोग धरनो, फलन के दान अवश्य करनो। तिलकायित श्री गोविन्दजी महाराज को उत्सव (१७६९)।
१२	गुरु	14	
१३	शुक्र	15	
१४	शनि	16	धनुर्मासारम्भः
१४	रवि	17	
३०	सोम	18	गोस्वामि तिलक श्री १०८ श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी) महाराज के पुत्र चि.गो. श्री भूपेश कुमार जी (श्री विशाल बाबा) को जन्मदिन (२०३७)। सोमवती अमावस्या।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०		पौष शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७४
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	मंगल	19	इष्टिः।
२	बुध	20	
३	गुरु	21	
४	शुक्र	22	
५	शनि	23	
६	रवि	24	नित्य लीलास्थ गो. श्री १०८ श्री दामोदरलाल जी महाराज को उत्सव (१९५३)।
७	सोम	25	
८	मंगल	26	
९	बुध	27	
१०	गुरु	28	
११	शुक्र	29	पुत्रदा एकादशी व्रतम्।
१२	शनि	30	
१३	रवि	31	
१४	सोम	1	जनवरी सन् २०१८ को प्रारम्भः।
१५	मंगल	2	माघस्नानारम्भः। इष्टिः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	माघ (गु. पौष) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
२	बुध	3	
३	गुरु	4	
४	शुक्र	5	
५	शनि	6	
६	रवि	7	
७	सोम	8	पीली घटा।
८	मंगल	9	बड़े दामोदरजी (श्री दाऊजी) महाराज को उत्सव (१७११)।
९	बुध	10	
१०	गुरु	11	
११	शुक्र	12	षट् तिला एकादशी व्रतम्। तिल की वस्तु अवश्य भोग धरनो। तिल के दान भक्षणादि करने।
१२	शनि	13	भोगी, धनुर्मास की समाप्ति।
१३	रवि	14	मकर संक्रान्तिः। तिलवा उत्थापन में ता पीछे दान श्राद्धादि करने। पुण्यकाल दिन के १ बजके ४७ मिनिट सूं लेके सूर्यास्त ६ बजके ५ मिनिट तक। तामे भी संक्रान्ति के पास के २ घंटा अति मुख्य पुण्यकाल है। अब के यह संक्रान्ति आज दिन के १ बजके ४७ मिनिट पर बैठे है। उत्तरायण।
१४	सोम	15	
३०	मंगल	16	
३०	बुध	17	इष्टिः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०			माघ शुक्लपक्षः विक्रमाब्द २०७४
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	18	
२	शुक्र	19	
३	शनि	20	
४	रवि	21	श्री मुकुन्दराय जी को पाटोत्सवः।
५	सोम	22	बसन्त पंचमी
६	मंगल	23	
७	बुध	24	
८	गुरु	25	
९	शुक्र	26	
१०	शनि	27	
११	रवि	28	जया एकादशी व्रतम्।
१३	सोम	29	
१४	मंगल	30	
१५	बुध	31	माघस्नान की समाप्ति। ग्रस्तोदित खग्रास चन्द्रग्रहण नाथद्वारा में दृश्य निर्णय पृष्ठ ३०-३१ पर लिख्यो है। होरी डांडो दण्डारोपणम् आज ग्रहण के मोक्ष भये उपरान्त रात्रि के ८ बजके ४२ मिनिट पश्चात् याही समय धमार को आरम्भ, रोपणी को उत्सव।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०	फाल्गुन (गु. माघ) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७४

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	1	फरवरी, इष्टिः।
२	शुक्र	2	
३	शनि	3	
४	रवि	4	
५	सोम	5	
६	मंगल	6	
७	बुध	7	श्रीनाथजी को पाटोत्सवः।
८	गुरु	8	
९	शुक्र	9	
१०	शनि	10	
११	रवि	11	विजया एकादशी व्रतम्।
१२	सोम	12	
१३	मंगल	13	
१४	बुध	14	
३०	गुरु	15	

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०			फाल्गुन शुक्लपक्षः विक्रमाब्द २०७४
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	16	इष्टिः।
२	शनि	17	
३	रवि	18	
४	सोम	19	
५	मंगल	20	
६	बुध	21	
७	गुरु	22	श्री मथुरेशजी को पाटोत्सवः। श्री गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज को जन्मदिन (२००६)।
८	शुक्र	23	होलिकाष्टकारम्भः।
९	शनि	24	
१०	रवि	25	
११	सोम	26	आमलकी (कुंज) एकादशी व्रतम्।
१२	मंगल	27	
१३	बुध	28	
१४	गुरु	1	मार्च, होली होलिका प्रदीपनं सूर्यास्तानन्तरं सायं ७ बजके ३९ मिनिट पश्चात्।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४०			चैत्र (गु. फाल्गुन) कृष्णपक्षः विक्रमाब्द २०७४
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	2	इष्टिः। धूलिवन्दन (धुरेण्डी)।
२	शनि	3	दोलोत्सव (डोल)।
३	रवि	4	द्वितीया पाट।
४	सोम	5	
५	मंगल	6	
६	बुध	7	
७	गुरु	8	
८	शुक्र	9	
९	शनि	10	
९	रवि	11	
१०	सोम	12	
११	मंगल	13	पापमोचिनी एकादशी व्रतम्।
१२	बुध	14	
१३	गुरु	15	
१४	शुक्र	16	
३०	शनि	17	वर्षे हर्षः प्रकर्षः स्यात्।।

Shreenathji-Nathdwara

श्री गोकुलनाथ जी के वचनामृत / तीज तेरस एक, पंचमी पूनो एक

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	आ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मृ.	महिना तिथिन के फल
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	बहोत सुख होय, क्लेश न होय, अर्थ पूर्ण होय
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	महाभारत होय, अशुभ, जीवनाश होय
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	अर्थपूर्ण होय, कामनापूर्ण होय
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	क्लेश होय, जीव नाश होय, कुशल सूं घर नहीं आवे
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	वस्तु लाभ होय, मित्र मिले, व्याधि मिटे
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	महाचिन्ता होय, वियोग कदाचित् घर आवे
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	सौभाग्य पावे, रत्न सहित भलीभांति सूं घर आवे
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	मिलवो न होय, बहुत बुरो होय, जीवनाश होय
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	आशा पूर्ण होय, सौभाग्य पावे, कामना सिद्ध होय
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	सौभाग्य पावे, दिन बहुत लगे, कुशल सूं घर आवे
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	क्लेश होय, जीवनाश नहीं, सौभाग्य पावे नहीं
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	मार्ग में सिद्धि, मित्र मिले, विघ्न मिटे, धन को लाभ होय

टिप्पणी व पुस्तकें मिलने का स्थान :- श्री गोवर्धन पुस्तकालय, मोतीमहल चौक, श्रीनाथ जी का मंदिर, नाथद्वारा -313301 (राजस्थान)

गणितकर्ता : त्रिपाठी राजेश्वर यदुनन्दन जी शास्त्री 9414473016

सीमा प्रिन्टर्स, उदयपुर # 9829556433